कानपुर, शनिवार, 28 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 79, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

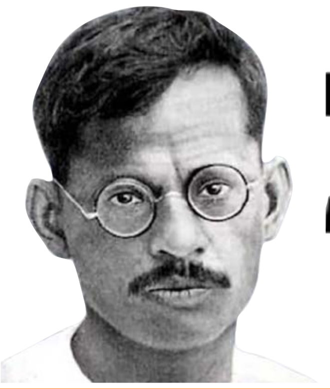

स्वराज इंडिया

इनसाइड गणेश शंकर विद्यार्थी को भारत रत्न देने की मांग...>Pg03

लग्जरी कार से पहुंचे दबंगों ने टोल मैनेजर को पीटा...>Pg06

मूल्यः ₹

पीएम मोदी का संदेश अब इंफ्रास्ट्रक्चर ही विकास की पहचान, योगी बोले यूपी बनेगा ग्लोबल एविएशन हब

जेवर से नए भारत की 'उड़ान'

उद्घाटन मंच से विपक्ष पर तीखा प्रहार, निवेश-रोजगार के नए दौर की घोषणा, एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट की ओर बढ़ता कदम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नोएडा/नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन के साथ शनिवार को देश के एविएशन सेक्टर में एक नया अध्याय जुड़ गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना का लोकार्पण करते हुए इसे "21वीं सदी के आधुनिक भारत की पहचान" बताया और कहा कि अब देश में विकास की गति को रोक पाना संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में साफ शब्दों में कहा कि पहले की सरकारों ने नोएडा और पश्चिमी यूपी को 'लूट का एटीएम' बना दिया था, लेकिन अब पारदर्शी व्यवस्था के चलते यहां तेजी से विकास हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जेवर एयरपोर्ट केवल हवाई यात्रा का माध्यम नहीं, बल्कि रोजगार, निवेश, उद्योग और वैश्विक कनेक्टिविटी का बड़ा केंद्र बनेगा।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों को भी एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है, जिससे देश का संतुलित विकास संभव हो रहा है।

राजनीतिक संदेश भी स्पष्टः प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में विकास के साथ-साथ राजनीतिक संकेत भी दिए। उन्होंने पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले योजनाएं सिर्फ कागजों में रहती थीं, लेकिन अब ग्राउंड पर काम दिख रहा है। यह संदेश साफ था कि आगामी चुनावों के मद्देनजर इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास को ही मुख्य एजेंडा बनाया जाएगा।

अर्थव्यवस्था का नया 'टेकऑफ पॉइंट': जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्धि नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक और औद्योगिक भविष्य की नई शुरुआत है। जहां प्रधानमंत्री मोदी ने इस "नए भारत की उड़ान" बताया, वहीं योगी आदित्यनाथ इसे "विकास का इंजन" बनाकर प्रदेश को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के मिशन में जुटे हैं। साफ है जेवर अब सिर्फ एक एयरपोर्ट नहीं, बल्कि उत्तर भारत की अर्थव्यवस्था का नया 'टेकऑफ पॉइंट' बन चुका है।

क्या बदलेगा

- दिल्ली के इन्दिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यात्री दबाव कम होगा
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश में तेजी
- लाखों युवाओं को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार
- लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेक्टर को बड़ा बूस्ट
- नोएडा-ग्रेटर नोएडा-यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में रियल एस्टेट उछाल
- अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए नया निवेश गेटवे

पीएम मोदी के भाषण की प्रमुख बातें

- "पहले परियोजनाएं वर्षों तक लटकती थीं, अब समयबद्ध तरीके से पूरी हो रही हैं"
- "नोएडा क्षेत्र को पहले भ्रष्टाचार का केंद्र बना दिया गया था, आज यह निवेश का हब बन रहा है"
- "जेवर एयरपोर्ट युवाओं के सपनों को उड़ान देगा"
- "भारत दुनिया का तेजी से बढ़ता हुआ एविएशन मार्केट बन चुका है"
- "इंफ्रास्ट्रक्चर पर निवेश ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है"
- "डबल इंजन सरकार की वजह से यूपी में अभूतपूर्व बदलाव आया है"
- "यह एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे उत्तर भारत की आर्थिक तस्वीर बदल देगा"

मुख्यमंत्री का विजनः 'नया यूपी, नई उड़ान'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे प्रदेश के विकास का ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट यूपी को ग्लोबल एविएशन मैप पर स्थापित करेगा। यह परियोजना प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। एयरपोर्ट के आसपास इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, लॉजिस्टिक्स पार्क और रोजगार के बड़े अवसर विकसित होंगे। प्रदेश अब निवेशकों की पहली पसंद बन चुका है। योगी ने यह भी स्पष्ट किया कि जेवर एयरपोर्ट भविष्य में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने की क्षमता रखता है और इसके लिए चरणबद्ध विस्तार योजना पर तेजी से काम हो रहा है।

दमनकारी कार्रवाई के आरोपों में शिकंजा

नेपाल के पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

काठमांडू। शनिवार सुबह केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी ने नेपाल की राजनीति में जबरदस्त हलचल पैदा कर दी है। काठमांडू में हुई इस कार्रवाई को हाल के वर्षों में की सबसे बड़ी राजनीतिक घटनाओं में माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, ओली को उनके आवास से हिरासत में लिया गया। यह कार्रवाई वर्ष 2025 में हुए उग्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित दमन और हिंसा से जुड़े मामले में की गई है। इन प्रदर्शनों में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, जबकि सैकड़ों लोग घायल हुए थे। दरअसल, ये प्रदर्शन सरकार की नीतियों के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व में शुरू हुए थे, जो देखते ही देखते उग्र हो गए। कई

2025

के हिंसक प्रदर्शनों में 70 से अधिक मौतों का मामला, सत्ता बदलते ही तेज हुई कार्रवाई

स्थानों पर हालात बेकाबू हो गए और पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। उस समय सुरक्षा बलों की कार्रवाई को लेकर सरकार की भूमिका पर गंभीर सवाल उठे थे। जांच एजेंसियों का मानना है कि उस दौरान सरकार हालात को नियंत्रित करने में नाकाम रही या फिर जरूरत से ज्यादा सख्ती बरती

गई, जिससे जनहानि बढ़ी। इसी आधार पर अब पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसा गया है।

बताया जा रहा है कि इस मामले में तत्कालीन गृह मंत्री को भी हिरासत में लिया गया है। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि जांच एजेंसियां इस प्रकरण में ऊपरी स्तर तक जिम्मेदारी तय करने में जुटी हैं। उल्लेखनीय है कि इन प्रदर्शनों के बाद नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ गई थी और अंततः ओली सरकार को सत्ता से बाहर होना पड़ा। हाल ही में नई सरकार के गठन के बाद इस मामले की फाइलें तेजी से खोली गईं और कार्रवाई ने रफ्तार पकड़ी। इस गिरफ्तारी को लेकर सियासी गलियारों में बहस तेज हो गई है। जहां एक ओर इसे कानून का राज स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई भी कहा जा रहा है। फिलहाल पूरे देश की नजर इस मामले की आगे की जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर टिकी है। यह देखना अहम होगा कि यह कार्रवाई न्याय के दायरे में रहती है या फिर सियासी संघर्ष का नया अध्याय बनती है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह कार्रवाई नेपाल में जवाबदेही तय करने की नई परंपरा की शुरुआत हो सकती है। कुछ विशेषज्ञ इसे लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के रूप में देख रहे हैं, जहां शीर्ष नेताओं पर भी कानून लागू हो रहा है। वहीं, एक वर्ग का मानना है कि यह कदम सियासी प्रतिशोध का हिस्सा भी हो सकता है, क्योंकि कार्रवाई सत्ता परिवर्तन के तुरंत बाद हुई है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों के मुताबिक, इस केस का असर नेपाल की वैश्विक छवि और निवेश माहौल पर भी पड़ सकता है।

बुकिंग के बाद भी नहीं हुई डिलीवरी फोन नंबर बंद, उपभोक्ता परेशान

डीएम व जिला पूर्ति अधिकारी से कार्रवाई की मांग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के स्वरूप नगर स्थित कानपुर गैस सर्विस पर गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग के एक सप्ताह बाद भी सिलेंडर की डिलीवरी नहीं हो रही है, जबकि एजेंसी से संपर्क करना भी लगभग असंभव हो गया है।

पीड़ित उपभोक्ता के अनुसार, उन्होंने इंडियन गैस के माध्यम से सिलेंडर बुक कराया था और उन्हें बुकिंग नंबर (डीएससी नंबर) भी प्राप्त हो गया। इसके बावजूद एक सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी डिलीवरी मैन सिलेंडर लेकर घर नहीं पहुंचा।

एआई जेनरेटेड फोटो

ब्लैक में खपाए जा रहे सिलेंडर?

उपभोक्ताओं ने आशंका जताई है कि बुक किए गए सिलेंडर को ब्लैक में बेच दिया जा रहा है। उनका कहना है कि जिन उपभोक्ताओं को बुकिंग नंबर मिल चुका है, उन्हें समय सीमा के भीतर गैस नहीं मिल रही, जबकि बाजार में ऊंचे दामों पर सिलेंडर उपलब्ध होने की चर्चा है।मामले को लेकर जिलाधिकारी और जिला पूर्ति अधिकारी से शिकायत करते हुए एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। उपभोक्ताओं का कहना है कि एजेंसी का तत्काल निरीक्षण कराया जाए और यह जांच हो कि बुकिंग के बावजूद सिलेंडर आखिर कहां जा रहे हैं।

प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद यदि ऐसी स्थिति बनी हुई है, तो यह प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़ा करता है।

मोबाइल बंद, हेल्पलाइन भी बेअसर

उपभोक्ताओं का आरोप है कि गैस एजेंसी के संचालक विजय लल्लन का मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहा है। वहीं, एजेंसी में दर्ज अन्य नंबरों पर संपर्क करने पर यह संदेश सुनाई देता है कि नंबर पंजीकृत नहीं है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब नंबर पंजीकृत ही नहीं है, तो उसी एजेंसी के माध्यम से गैस बुकिंग कैसे हो रही है?

संवासिनी गृह से भागीं दो किशोरियां ड्यूटी पर सो रहे थे कर्मचारी

तीन पर गिरी गाज, अधीक्षक को नोटिस

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के नवाबगंज संवासिनी गृह से दो किशोरियां छत से कूदकर भाग गईं। लापरवाही के आरोप में एक कर्मचारी को निलंबित और दो संविदा कर्मियों को हटाने की कार्रवाई की गई है। कानपुर में नवाबगंज स्थित संवासिनी गृह (यूनिट-2) में गुरुवार रात सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी चूक सामने आई। दो किशोरियां परिसर से फरार हो गईं और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी सुस्ताते रहे। उन्हें भनक तक नहीं लगी। करीब एक घंटे बाद जब गिनती हुई, तब मामले की जानकारी हुई।

सूचना पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने दोनों की तलाश की , लेकिन 24 घंटे बाद भी उनका कोई सुराग नहीं लगा।

वहीं, कर्मियों की लापरवाही पर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने एक महिला कर्मी के निलंबन और दो संविदा कर्मियों की सेवा समाप्ति की संस्तुति की है। तीन होमगार्डों के खिलाफ कार्रवाई के लिए होमगार्ड कमांडेंट को पत्र भेजा है। मामले की जांच के लिए एसीएम-छह को निर्देश दिए हैं। बीते छह माह पहले दोनों किशोरियां करीब छह माह पहले प्रयागराज और मथुरा से पकड़ी गई थीं। कानपुर की निवासी होने के कारण उन्हें ख्योरा कटरी यूनिट दो में रखा गया था।

नियमित गिनती की गई, तो गायब होने का पता चला

घटना रात करीब नौ बजे की है। दोनों किशोरियां अपने कमरे से निकलकर पीछे आंगन में पहुंचीं। वहीं रखे स्टैंड के पास छिपकर बैठ गईं। कपड़े सुखाने वाले स्टैंड का सहारा लेकर खिड़की से छज्जे पर चढ़कर छत पर पहुंचीं। छत से पीछे की ओर कूदकर फरार हो गईं। इस दौरान वहां मौजूद होमगार्ड और तीन महिला कर्मियों को कुछ भी पता नहीं चला। रात 10 बजे जब नियमित गिनती की गई, तो तब उनके गायब होने का पता चला। अधिकारी मौके पर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

फुटेज से किशोरियों के भागने के तरीके का पता चला। फुटेज में कर्मचारी ड्यूटी के दौरान आराम करते नजर आए। जांच में पता चला कि घटना के समय संवासिनी गृह की अधीक्षक कल्पना ड्यूटी पर नहीं थीं। वह अपने घर पर थीं। रात की जिम्मेदारी चतुर्थ श्रेणी कर्मी और संविदा कर्मचारियों पर छोड़ गई थीं। जिलाधिकारी ने चतुर्थ श्रेणी महिला कर्मी रत्ना के निलंबन की संस्तुति की, जबकि संविदा कर्मी वंदना और हेमलता की सेवा समाप्ति के लिए निदेशालय को पत्र भेजा है। अधीक्षक को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया है। जांच के बाद उन पर कार्रवाई तय है।अभी किशोरियों का कुछ पता नहीं चला है। तलाश की जा रही है। लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है। तीन होमगार्डों पर भी कार्रवाई होगी।

7860070809
Merchant Chambers Road, Civil Lines Kanpur

कानपुर के गौरव को मिला नया स्वर

संसद में गूंजी गणेश शंकर विद्यार्थी को भारत रत्न देने की मांग

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर की क्रांतिकारी विरासत और पत्रकारिता के स्वर्णिम इतिहास को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। महान स्वतंत्रता सेनानी, निर्भीक पत्रकार और सांप्रदायिक सौहार्द के प्रतीक गणेश शंकर विद्यार्थी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग अब संसद तक पहुंच गई है।

यह अहम मुद्दा कानपुर से सांसद रमेश अवस्थी ने संसद में जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने न केवल भारत रत्न की मांग की, बल्कि यह भी स्पष्ट किया कि विद्यार्थी जी की ऐतिहासिक स्मृतियों को सहेजने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

सांसद अवस्थी ने अपने वक्तव्य में कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी ने पत्रकारिता को केवल खबरों का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा और सामाजिक समरसता का सशक्त उपकरण बनाया। उनका जीवन संघर्ष, बलिदान और निष्पक्षता की मिसाल है, जिसे देश की नई

पीढ़ी तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। उन्होंने घोषणा की कि कानपुर में विद्यार्थी जी की स्मृति में एक भव्य स्मारक का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही, ऐतिहासिक प्रताप प्रेस की विरासत को संरक्षित करने के लिए भी विशेष पहल की जाएगी। इस कार्य को सांसद निधि के माध्यम से आगे बढ़ाने की योजना है।

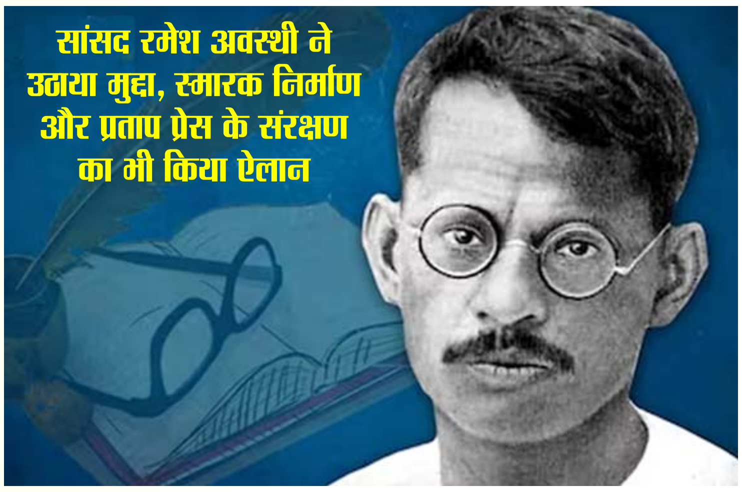

कानपुर की धरती पर जन्मे इस महान व्यक्तित्व के सम्मान में उठी यह मांग शहरवासियों की लंबे समय से चली आ रही भावना का प्रतिबिंब है। स्थानीय लोगों का मानना है कि विद्यार्थी जी का योगदान केवल कानपुर या उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। यह पहल न केवल एक सम्मान की मांग है, बल्कि कानपुर के ऐतिहासिक स्वाभिमान और गौरव को राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का प्रयास भी है।

अब सबकी निगाहें केंद्र सरकार के निर्णय पर टिकी हैं, जिससे यह उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही इस मांग को मूर्त रूप मिलेगा।

परिचयः गणेश शंकर विद्यार्थी

- स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानी और पत्रकार
- 'प्रताप' अखबार के संस्थापक
- सांप्रदायिक दंगों में शांति स्थापित करते हुए शहीद
- निष्पक्ष और जनपक्षीय पत्रकारिता के प्रतीक

- संसद में पहली बार जोरदार तरीके से भारत रत्न की मांग उठी
- सांसद निधि से भव्य स्मारक निर्माण की योजना
- ऐतिहासिक प्रताप प्रेस को संरक्षित करने की पहल
- नई पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने पर जोर
- कानपुर के गौरव को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की कोशिश

मेट्रो स्टोर रूम में शॉर्ट सर्किट से लगी आग धमाकों से दहशत

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के काकादेव क्षेत्र में स्थित पामेला ग्रीन लान के सामने बने मेट्रो स्टोर रूम में शनिवार सुबह शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। आग लगते ही दो से तीन तेज धमाके हुए, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और लपटें लान तक पहुंच गईं, जिससे वहां लगा एसी और अन्य सामान जलकर खाक हो गया।

जानकारी के अनुसार, काकादेव निवासी महावीर प्रसाद पांडेय का पामेला गेस्ट हाउस है। गेस्ट हाउस के बाहर बनी तीन दुकानों को मेट्रो प्रोजेक्ट के स्टोर रूम के रूप में किराए पर दिया गया था। मैनेजर नितिन अवस्थी के मुताबिक, सुबह अचानक दुकान में शॉर्ट

➪ दो-तीन धमाकों के साथ भड़की आग, एसी व सामान जलकर खाक, दमकल ने पाया काबू

सर्किट हुआ और आग लग गई। कर्मचारियों ने शुरुआती प्रयास किए, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई।घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, आग से कई टेलीकॉम कंपनियों की ऑप्टिकल केबलें भी जल गईं, जिससे इलाके में इंटरनेट सेवाएं बाधित हो गईं। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप का माहौल रहा, हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया।

प्लास्टर गिरने पर बाल-बाल बचे बच्चे 182 विद्यार्थियों की जान जोखिम में

जर्जर स्कूल बना खतरा

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र के पतारा ब्लॉक स्थित ग्राम पंचायत जहांगीराबाद के प्राथमिक विद्यालय में शनिवार सुबह बच्चों की जान पर बन आई। जर्जर हो चुके स्कूल भवन की छत से अचानक प्लास्टर का बड़ा टुकड़ा गिर पड़ा, जिससे एक छात्रा बाल-बाल बच गई। घटना के बाद पूरे स्कूल में अफरा-तफरी मच गई और 182 छात्र-छात्राएं दहशत में कक्षाओं से बाहर निकल आए। बताया जा रहा है कि प्लास्टर का टुकड़ा जिस जगह गिरा, उसके ठीक पास एक छात्रा बैठी थी। गनीमत रही कि वह चपेट में नहीं आई, वरना गंभीर हादसा हो सकता था। इस घटना ने स्कूल में पढ़ रहे सभी बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

शिक्षकों के अनुसार विद्यालय भवन लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। छत का प्लास्टर लगातार झड़ रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। घटना के बाद एहतियातन सभी बच्चों को बाहर निकालकर सड़क किनारे

❍ घाटमपुर के जहांगीराबाद प्राथमिक विद्यालय में बड़ा हादसा टला

❍ दहशत में बच्चे सड़क पर बैठे, अभिभावकों ने स्कूल भेजने से किया इंकार

बैठाया गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण और अभिभावक मौके पर पहुंच गए और स्कूल प्रशासन व व्यवस्था पर नाराजगी जताई। अभिभावकों ने स्पष्ट कहा कि जब तक भवन की मरम्मत या नया निर्माण नहीं होता, वे अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। प्रधानाध्यापिका पुष्पा ने बताया कि विद्यालय में 182 बच्चे नामांकित हैं, जिनकी जिम्मेदारी सीमित स्टाफ के भरोसे है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कराकर बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। जमीनी सवाल यह है कि क्या बच्चों की सुरक्षा के लिए हर स्कूल भवन का समय-समय पर ऑडिट हो रहा है? हादसे के बाद ही क्यों जागता है प्रशासन।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

- 2023, उन्नावः प्राथमिक विद्यालय की छत गिरने से कई बच्चे घायल हुए थे।
- 2022, हरदोईः जर्जर स्कूल भवन का हिस्सा गिरा, एक छात्र की मौत हुई।
- 2021, फतेहपुरः कक्षा के दौरान प्लास्टर गिरने से दो छात्र घायल हुए।
- 2019, कानपुर देहातः बारिश में स्कूल की दीवार ढही, बच्चों को बाहर निकालकर बचाया गया।

लोडर की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत, दूसरा गंभीर घायल

मंगलपुर-डेरापुर मार्ग पर प्रयागपुर गांव के सामने हुआ हादसा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक नवयुवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे मंगलपुर-डेरापुर मार्ग पर प्रयागपुर गांव के सामने तेज रफ्तार लोडर ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार रामचन्द्र (26) और विमल (32) निवासी ग्राम हवासपुर थाना मंगलपुर गंभीर रूप से घायल हो गए।

बताया गया कि दोनों युवक मड़नापुर डेरापुर में एक मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक से जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे राहगीर रिंकू, इमरान व अभिषेक ने मानवता

दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झींझक पहुंचाया। जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक डॉ. शिरोमणि सिंह ने जांच के बाद रामचन्द्र को मृत घोषित कर दिया।

वहीं गंभीर रूप से घायल विमल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया,

जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक रामचन्द्र के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। परिजनों ने मामले की सूचना मंगलपुर थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक सूरजपाल सिंह ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक की टक्कर से हवा भरने वाले युवक की मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बे के समीप जिओ पेट्रोल पंप पर वाहनों में हवा भरने का काम कर रहे एक युवक को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान कोतवाली क्षेत्र के अकोढ़ी गांव निवासी पप्पू बाल्मीकि उर्फ चौधरी (40) के रूप में हुई है। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

रामनवमी पर गजनेर में लहराया गया 30 फीट ऊंचा श्रीराम पताका

जयकारों से गूंज उठा चौराहा

» वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान सेवा समिति के तत्वावधान में भव्य आयोजन

» शोभायात्रा, आतिशबाजी और माल्यार्पण के साथ उमड़ा जनसैलाब

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। रामनवमी के पावन अवसर पर गजनेर कस्बे में श्रद्धा, उत्साह और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। चौराहा स्थित पृथ्वीराज चौहान प्रतिमा स्थल पर वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान सेवा समिति के तत्वावधान में 30 फीट ऊंचा श्रीराम पताका विधि-विधान के साथ फहराया गया। ध्वजारोहण के साथ ही पूरा क्षेत्र ÷जय श्रीराम÷ के गगनभेदी नारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत एक गेस्ट हाउस में लोगों के एकत्र होने से हुई, जहां से युवाओं के नेतृत्व में बैंड-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में शामिल युवाओं और श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा। रास्ते भर नारेबाजी और आतिशबाजी ने माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। चौराहे पर पहुंचकर सबसे पहले वीर सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रीराम पताका फहराया गया। आयोजन के दौरान पूरे क्षेत्र में आस्था और उल्लास का वातावरण बना रहा।

आयोजन में समिति के अध्यक्ष आकाश सिंह चौहान, भीम सिंह चौहान, योगेंद्र सिंह चौहान पूर्व प्रधान गजनेर , शिवराज सिंह चौहान, प्रांशु सिंह चौहान, शेखर सिंह चौहान, आयुष सिंह चौहान, युवराज सिंह चौहान, संयोजक राजेश सिंह चौहान, समरजीत सिंह चौहान, जय सिंह चौहान, मूचडू मनीष सिंह, नवीन सिंह, सुखधाम सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

खेत में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

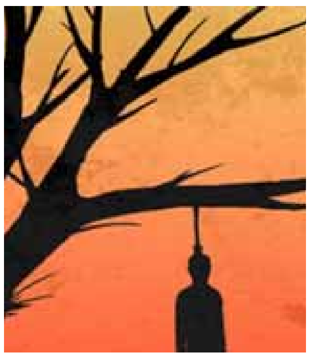

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत सुनासी ग्राम पंचायत के मजरा बंसी निवादा गांव में शुक्रवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव पेड़ से लटकता मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।जानकारी के अनुसार, बंसी निवादा निवासी अमित (22) शुक्रवार शाम घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह जब परिजन खेतों की ओर गए तो उन्होंने अमित का शव पेड़ से कपड़े के सहारे लटका हुआ देखा। यह दृश्य देख परिजनों में कोहराम मच गया। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसका स्पष्ट कारण सामने नहीं आ सका है। समाचार लिखे जाने तक परिजनों ने पुलिस को सूचना नहीं दी थी, जिससे मामला और भी संदिग्ध बना हुआ है।

पुलंदर में गेहूं के खेत पर लटक रही 11000 वोल्ट: किसानों को सता रहा हादसे का डर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के मलासा विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुलंदर में 11000 वोल्ट की बिजली लाइन गेहूं के खेत पर खतरनाक ढंग से लटक रही है। इससे किसानों में बड़े हादसे का डर बना हुआ है, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया है।

यह बिजली लाइन बोरवेल की मुख्य लाइन से गुजरते हुए पक्के खड़े गेहूं की फसल के ऊपर झूल रही है। इस स्थिति से किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिससे जान-माल का नुकसान होने की आशंका है।ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार शिकायत की है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव निवासी सोनू भदोरिया, धर्मवीर और धीरू सिंह ने बताया कि खेतों में फसल के बीच लटकती यह हाई वोल्टेज लाइन जानलेवा साबित हो सकती है।

इस मामले में जब दैनिक भास्कर ने संबंधित जेई प्रमोद कुमार से बात की तो उन्होंने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में नहीं था। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मौके पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और समस्या का समाधान कराया जाएगा।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस खतरनाक स्थिति को जल्द से जल्द ठीक किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।

सम्पादकीय

किशोरों के हित में ऐतिहासिक फैसला

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है।

जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं।

विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है। लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं।

पाक की मध्यस्थता महज़ अवसरवाद

के.एस तोमर

पाक ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है।पाकिस्तान आज एक रणनीतिक विरोधाभास में फंसा हुआ है–एक ओर वह अपनी पश्चिमी सीमा पर तालिबान के साथ बढ़ते संघर्ष में उलझा है, वहीं दूसरी ओर डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में खुद को प्रस्तुत कर कूटनीतिक प्रासंगिकता दिखाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इसकी विश्वसनीयता अभी भी संदिग्ध है और इसे अधिकतर सामरिक अवसरवाद के रूप में देखा जा रहा है।दरअसल, पाकिस्तान अपने हालिया इतिहास के एक अत्यंत जटिल रणनीतिक दौर से गुजर रहा है। उसके पश्चिमी पड़ोस में तेजी से बदलते घटनाक्रम–ईरान में अस्थिरता और अफगानिस्तान में तालिबान शासन के साथ बिगड़ते रिश्ते–ने एक ऐसा भू-राजनीतिक दबाव पैदा कर दिया है, जिसे इस्लामाबाद न तो नजरअंदाज कर सकता है और न ही आसानी से संभाल सकता है। दशकों तक 'रणनीतिक गहराई' का जो ढांचा पाकिस्तान ने तैयार किया था, वह अब टूटता हुआ दिख रहा है। उसकी जगह अब अनिश्चितता, आतंकी प्रतिक्रिया और सीमावर्ती जोखिमों ने ले ली है।

पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा कभी शांत नहीं रही। ईरान से जुड़ी अस्थिरता इस्लामाबाद के लिए गंभीर चुनौती बन सकती है। ईरान केवल पड़ोसी ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक साझेदार भी है। दोनों देशों की सीमा बलूचिस्तान के कठिन इलाकों से गुजरती है, जहां अलगाववादी समूह और तस्करी नेटवर्क सक्रिय रहे हैं। ईरान में किसी भी बड़े संकट से सीमा पार आतंकी गतिविधियां बढ़ सकती हैं और पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान में हालात बिगड़ सकते हैं।पाकिस्तान की पुरानी ऊर्जा कमी ने ईरानी गैस को एक विकल्प बनाया है। हालांकि, प्रतिबंधों के कारण रुकी हुई ईरानङ्कपाकिस्तान गैस पाइपलाइन अब भी एक संभावित समाधान मानी जाती है। लेकिन ईरान में अस्थिरता इस संभावना को और कमजोर कर सकती है और पाकिस्तान की आर्थिक चुनौतियों को और जटिल बना सकती है।इस समय पाकिस्तान में बड़ी शिया आबादी है और अतीत में सांप्रदायिक तनाव हिंसा में बदलता रहा है। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संकट इन आंतरिक विभाजनों को भड़का सकता है और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान के साथ संबंध इस उम्मीद में बनाए रखे कि काबुल में एक अनुकूल सरकार उसे रणनीतिक लाभ देगी। लेकिन 2021 में तालिबान की वापसी ने अपेक्षित परिणाम नहीं दिए। इसके विपरीत, संबंध लगातार बिगड़ते गए हैं। मुख्य विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) की मौजूदगी है, जो पाकिस्तान में कई हमलों के लिए जिम्मेदार है। इस्लामाबाद का आरोप है कि अफगान तालिबान उसे संरक्षण देता है। सीमा पार हमले और तीखी बयानबाजी ने स्थिति को खतरनाक बना दिया है। जो संबंध कभी वैचारिक निकटता का प्रतीक था, वह अब अविश्वास और सीमित सैन्य टकराव में बदल चुका है। डूरंड रेखा का विवाद भी इस तनाव को और गहरा करता है। तालिबान इसे मान्यता देने से इंकार करता है, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी संप्रभुता का मुद्दा मानता है। इन दबावों के बीच कुछ सीमित अवसर भी दिखाई देते हैं। यदि ईरान बाहरी संकटों में उलझता है तो बलूच सीमा पर उसका ध्यान कम हो सकता है। अफगानिस्तान की आर्थिक कमजोरी तालिबान को पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक समझौते की ओर धकेल सकती है। पाकिस्तान क्षेत्रीय मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर सकता है, जिससे उसकी प्रासंगिकता कुछ हद तक बढ़े। लेकिन यह रणनीति जोखिमों से भरी है और इसके परिणाम पूरी तरह अनिश्चित हैं।

भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित संकेत देती है। पाकिस्तान की पश्चिमी समस्याएं उसके संसाधनों पर दबाव डालती हैं, जिससे पूर्वी सीमा पर ध्यान कम हो सकता है। लेकिन यह अपने आप भारत के लिए लाभकारी नहीं है। इसलिए भारत इन घटनाक्रमों को सावधानी और संतुलन के साथ देख रहा है।चीन इस परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा उसके निवेश ढांचे का अहम हिस्सा है। पश्चिमी सीमा पर अस्थिरता इन योजनाओं के लिए खतरा है। चीन को चिंता है कि अफगानिस्तान के उग्रवादी नेटवर्क शिनजियांग को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए वह इस्लामाबाद और काबुल के बीच संवाद को बढ़ावा देता है और आर्थिक सहयोग को स्थिरता का माध्यम मानता है।दरअसल, पाकिस्तान की चुनौती उसकी पुरानी रणनीति में है। दशकों तक उसने गैर-राज्य तत्वों का उपयोग किया, जो अब उसके लिए ही चुनौती बन गए हैं। यह स्पष्ट रूप से रणनीतिक 'ब्लोबैक' की स्थिति है। विकल्प केवल रणनीतिक पुनर्संतुलन है–क्षेत्रीय सहयोग, आर्थिक एकीकरण और उग्रवाद से दूरी। लेकिन यह परिवर्तन कितना संभव है, यह अभी अनिश्चित है।

अतीत की नई दस्तक: बिहार की माटी में दबे 186 गौरवशाली अध्याय

बिहार की मेधा और इसकी उर्वर माटी का अंतर्संबंध सदैव से एक पुनर्लेखन योग्य फलक की भांति रहा है–एक ऐसा आधार जिस पर सभ्यताओं के अभ्युदय, वैचारिक क्रांति और आध्यात्मिक चेतना की अगणित परतें एक-दूसरे पर उत्कीर्ण हैं। वर्तमान में जब हम 22 मार्च को मनाए गए 114वें बिहार दिवस के उल्लास से परिपूर्ण हैं और चैती छठ के कठोर अनुष्ठानों के माध्यम से भगवान भास्कर की आराधना में लीन हैं, तब संसद के पटल पर केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा दी गई एक सूचना ने हमारे आत्म-गौरव को नवीन विस्तार दिया है। समस्तीपुर और लखीसराय जिलों में 186 नए पुरातात्विक स्थलों की पहचान केवल एक सांख्यिकीय विवरण नहीं है, बल्कि यह हमारे उस वैभवशाली अतीत की पुनर्प्राप्ति है जो युगों से विस्मृति के अंधकार में ओझल था।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए ग्राम-दर-ग्राम अन्वेषण के ये परिणाम सुखद विस्मय उत्पन्न करते हैं। समस्तीपुर में 144 और लखीसराय में 42 नए संभावित स्थलों का मिलना इस तथ्य का प्रमाण है कि उन्नत बिहार और उज्ज्वल बिहार की हमारी संकल्पना की आधारशिला अत्यंत सुदृढ़ और ऐतिहासिक है। यह उद्घाटन हमें स्मरण कराता है कि बिहार की धरा केवल कृषि प्रधान नहीं, अपितु संस्कृति प्रधान भी रही है, जहाँ विद्या और सुशासन का समागम प्रत्येक पग पर दृष्टिगोचर होता था।

मिथिला और कृमिला का सांस्कृतिक विस्तार

इन स्थलों का भौगोलिक वितरण अत्यंत सार्थक संकेत देता है। समस्तीपुर में 144 स्थलों की प्राप्ति इस क्षेत्र को प्राचीन मिथिला की बौद्धिक परंपराओं के एक व्यापक केंद्र के रूप में प्रतिस्थापित करती है।

यह वह भूमि है जिसने उदयनाराचार्य जैसे महान तार्किकों और महाकवि विद्यापति जैसे मनीषियों को गढ़ा। इतनी बड़ी संख्या में पुरातात्विक पुरावशेषों की उपस्थिति यह सिद्ध करती है कि प्राचीन बिहार में ज्ञान का आलोक केवल पाटलिपुत्र या वैशाली जैसे महानगरों तक सीमित नहीं था,

बल्कि यह एक ग्रामीण और जन-साधारण का आंदोलन था। ये स्थल संभवतः उन सूक्ष्म सांस्कृतिक केंद्रों के अवशेष हैं, जिन्होंने शताब्दियों तक भारतीय प्रज्ञा को आलोकित किया।

दूसरी ओर, लखीसराय के 42 नए स्थल इस क्षेत्र की अस्मिता को पाल कालीन शासन के प्रमुख केंद्र कृमिला के रूप में और भी पुष्ट करते हैं।

लेखकः प्रो. दिनेश चंद्र राय, कुलपति, बीआर अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर, बिहार

लाली पहाड़ी पर संचालित उत्खनन ने पूर्व में ही हमें श्रीमद्धर्म विहार जैसे दुर्लभ बौद्ध विहार के साक्ष्य प्रदान किए हैं, जो संभवतः भिक्षुणियों के लिए आरक्षित था। अब 42 नए स्थलों का जुड़ाव यह रेखांकित करता है कि यहाँ एक ऐसा वृहद् प्रशासनिक और धार्मिक संकुल विद्यमान था, जो आठवीं से बारहवीं शताब्दी के कालखंड में नालंदा और विक्रमशिला के तुल्य प्रतिष्ठित था।

संरक्षण की चुनौती और अकादमिक दायित्व

किसी भी पुरातात्विक स्थल का चिन्हीकरण उसकी सुरक्षा की दिशा में मात्र प्राथमिक चरण है।

कोई भी प्रतिवेदित स्थल तब तक असुरक्षित है जब तक कि उसका वैज्ञानिक प्रलेखन और घेराबंदी सुनिश्चित न हो जाए। आधुनिक बसावट के दबाव और प्राकृतिक क्षरण के मध्य इन 186 ऐतिहासिक झरोखों को लुप्त होने से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

केंद्र सरकार द्वारा बिहार के स्मारकों के लिए आवंटित 15 करोड़ की धनराशि एक स्वागत योग्य प्रशासनिक पहल है, किंतु इस अगाध विरासत के संरक्षण हेतु यह केवल एक सांकेतिक आरंभ मात्र है।

एक प्रबुद्ध समाज और विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य के रूप में, हमारा उत्तरदायित्व केवल इन प्रतिवेदनों के विश्लेषण तक सीमित नहीं होना चाहिए। हमें अंकीय अभिरक्षण की दिशा में अग्रसर होना होगा। एक व्यापक अंकीय संग्रह निर्मित करना चाहिए। सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना तंत्र जैसी आधुनिक प्रविधियों के माध्यम से बिहार का एक अंकीय विरासत मानचित्र तैयार करना समय की अनिवार्य आवश्यकता है।

विरासत आधारित विकास का मार्ग

इन खोजों को हमें केवल ध्वंसावशेष के रूप में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक मेधा के रूप में आत्मसात करना चाहिए। लखीसराय और समस्तीपुर में वैश्विक पर्यटन के मानचित्र पर देदीप्यमान होने की विपुल सामर्थ्य है। यदि इन 186 स्थलों को पर्यटक अनुभव केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जहाँ भावी पीढ़ी इतिहास की परतों को सजीव रूप में उद्घाटित होते देख सके, तो यह बिहार के लिए एक स्थायी आर्थिक और बौद्धिक प्रतिमान बन सकता है।यह सूचना हमें छठ महापर्व के मध्य प्राप्त हुई है, जहाँ हम अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य की वंदना करते हैं। आज नदियों के तट पर खड़े श्रद्धालु उन्हीं शाश्वत परंपराओं का निर्वाह कर रहे हैं जो इन विहारों और टीलों के निर्माण काल में जीवंत थीं। हम सातत्य के उपासक हैं।बिहार के आधुनिक स्वरूप के 115वें वर्ष में प्रवेश करते हुए, आइए हम इन 186 स्थलों को एक पवित्र धरोहर के रूप में स्वीकार करें। ये स्थल हमारी जिजीविषा के मूल तत्व हैं। यदि बिहार को पुनः आर्यावर्त की बौद्धिक आत्मा के रूप में प्रतिष्ठित होना है, तो हमें अपने ही प्रांगण में दबे इन गौरवशाली पृष्ठों को सहेजने और संवारने का दृढ़ संकल्प लेना होगा।

हाईवे पर दौड़ती डीसीएम बनी आग का गोला, ओवरब्रिज पर मचा हड़कंप

○ चालक-परिचालक ने कूदकर किसी तरह बचाई अपनी जान ○ शॉर्ट सर्किट की आशंका,दमकल देर से पहुंचने पर लोगों में रोष

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। कानपुर-अलीगढ़ हाईवे पर शुक्रवार रात एक बड़ा हादसा टल गया, जब अरौल थाना क्षेत्र के गंगापुर गांव के पास ओवरब्रिज पर कन्नौज की ओर जा रही एक डीसीएम अचानक आग की लपटों में घिर गई। कुछ ही मिनटों में वाहन आग के गोले में तब्दील हो गया, जिससे हाईवे पर अफरातफरी मच गई और राहगीरों में दहशत फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, डीसीएम में चलते-चलते अचानक धुआं उठता दिखाई दिया। चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आग तेजी से फैल गई। हालात को भांपते हुए चालक और परिचालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वाहन रोका और कूदकर अपनी जान बचा ली। चंद मिनटों में ही आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और लपटें काफी ऊंचाई तक उठने लगीं।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को जानकारी दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल फायर ब्रिगेड को बुलाया। हालांकि दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचने में देर कर गईं, जिसके चलते डीसीएम पूरी तरह जलकर खाक हो गई। बाद में पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है, हालांकि आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं हुई है। घटना के चलते हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित रहा। आग की लपटों और धुएं के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को नियंत्रित किया और धीरे-धीरे स्थिति सामान्य कराई। वहीं दमकल विभाग के देर से पहुंचने को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना था कि अगर समय रहते दमकल पहुंच जाती, तो शायद वाहन को पूरी तरह जलने से बचाया जा सकता था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आग लगने के सही कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

जाँच करती अरौल पुलिस

लग्जरी कार से पहुंचे दबंगों ने टोल मैनेजर को पीटा, बचाने आए सहकर्मी को भी मारा

शिवराजपुर स्थित नेवादा टोल प्लाजा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। जीटी रोड स्थित शिवराजपुर के नेवादा टोल प्लाजा पर शुक्रवार सुबह दबंगों ने जमकर उत्पात मचाया। लग्जरी कार से पहुंचे हमलावरों ने टोल मैनेजर पर जानलेवा हमला कर दिया और लात-घूंसों व लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। बीच-बचाव करने पहुंचे एक अन्य कर्मी को भी हमलावरों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीट दिया। वारदात के बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

फतेहपुर के चांदपुर निवासी टोल मैनेजर राहुल सिंह भदौरिया ने शिवराजपुर थाना पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि शुक्रवार को वह टोल स्थित आवास पर सो रहे थे। सुबह करीब 7 बजे एक दर्जन से अधिक दबंग टोल प्लाजा पर पहुंचे और अचानक हमला बोल दिया। जब तक वह कुछ समझ पाते, तब तक आरोपियों ने लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया।चीख-पुकार सुन बचाने आए सहकर्मी प्रमोद कुमार को भी हमलावरों ने नहीं बख्शा और उसे भी पीट दिया। हमलावरों ने टोल प्लाजा पर तोड़फोड़ भी की। घटना के बाद से टोल मैनेजर और कर्मचारी दहशत में हैं। उधर पुलिस ने तहरीर के आधार पर बदन नेवादा गांव निवासी देवेंद्र सिंह, अविनाश सिंह, उत्तरीपुरा निवासी आदर्श शुक्ला, मोहन पांडे, प्रभात मिश्रा, हरिओम मिश्रा, शिवम कश्यप व चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

- ⇨ मैनेजर की तहरीर पर 8 नामजद, 4 अज्ञात पर केस
- ⇨ अंदरखाने साजिश की भी बू, कैमरों से छेड़छाड़ का आरोप

...तो अंदर से ही रची गई थी मारपीट की पटकथा!

टोल मैनेजर राहुल भदौरिया ने शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि टोल प्लाजा पर कार्यरत शिवम कश्यप और अश्वनी (बान सिस्टम इंडिकेटर) के तहत काम कर रहे थे। आरोप है कि दोनों ने रात करीब 12 बजे टोल पर लगे सीसीटीवी कैमरों से छेड़छाड़ की। मेन एंट्री गेट के कैमरे बंद कर दिए गए, जबकि अन्य कैमरों की दिशा बदल दी गई। आशंका जताई जा रही है कि इसी साजिश के तहत पूरी वारदात को अंजाम दिया गया।

टोल प्रबंधक राहुल भदौरिया की तहरीर के आधार पर 8 नामजद और 4 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है।जल्द सभी को गिरफ़्तार कर लिया जाएगा। – अमित सिंह, थाना प्रभारी शिवराजपुर

शिवराजपुर में नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

दो माह से फरार चल रहे आरोपी को मुखबिर की सूचना पर दबोचा, किशोरी सकुशल बरामद

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पिछले करीब दो महीनों से फरार चल रहा था, जिसे शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया गया।

पुलिस के मुताबिक, क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी को सैलाह गांव निवासी अंकुर उर्फ अंकुश 16 जनवरी की रात अपने साथ भगा ले गया था। बेटी के लापता होने पर परिजनों ने थाने में तहरीर दी, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की थी। काफी समय तक चले अभियान के बाद पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया और किशोरी को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पहले भी इस तरह की घटना में शामिल रहा है। वर्ष 2021 में उसने एक नाबालिग को फुसलाकर ले जाने का प्रयास किया था, जिसमें उसके खिलाफ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि किशोरी के बयान के आधार पर मामले में और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर धाराओं में बढ़ोत्तरी भी की जाएगी।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

रामनवमी पर आस्था का रैलाब, मंदिरों में दिनभर उमड़ी भीड़

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। रामनवमी पर शुक्रवार को क्षेत्र पूरी तरह भक्ति में सराबोर नजर आया। भोर की पहली किरण के साथ ही देवी मंदिरों के पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दिनभर मंदिर परिसरों में पूजा-अर्चना, कन्या पूजन और भंडारों का दौर चलता रहा, जिससे पूरे इलाके में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा।

कस्बे के प्रमुख मंदिरों माता निषाठी देवी, माता अन्नपूर्णा, माता सिंहवाहिनी व श्री वनखंडेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों ने श्रद्धा भाव से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कई स्थानों पर कन्या पूजन कर छोटी बच्चियों को भोजन कराकर उपहार भेंट किए गए। नवमी के अवसर पर सामाजिक व धार्मिक संगठनों की ओर से भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।और जगह जगह भंडारे का आयोजन किया गया। वहीं शिवराजपुर क्षेत्र के बिलहन गांव स्थित श्रीराम-जानकी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। नवमी पर बिल्हौर क्षेत्र में आस्था, सेवा और श्रद्धा का संगम देखने को मिला।इस दौरान प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा।

⇨ कन्या पूजन, हवन और जगह जगह भंडारा

आगरा में मासूम की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में हुआ ढेर

» गला रेतकर हत्या, आटे के कनस्तर में छिपाया शव

» पुलिस मुठभेड़ में आरोपी सुनील की मौत, दरोगा घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में आठ साल की मासूम बच्ची की निर्मम हत्या के मामले का शनिवार तड़के नाटकीय और हिंसक अंत हो गया। फरार चल रहे मुख्य आरोपी सुनील को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। यह पूरा मामला न केवल हत्या की बर्बरता बल्कि आरोपी की सोची-समझी साजिश और बदले की भावना को भी उजागर करता है।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी को पकड़ने के लिए घेराबंदी की गई थी। जैसे ही पुलिस टीम उसके करीब पहुंची, उसने खुद को घिरता देख फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक दरोगा को गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। जवाबी फायरिंग में सुनील गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जांच में सामने आया है कि 29 वर्षीय सुनील ने 24 मार्च को जूता कारोबारी की आठ साल की बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद उसने सबूत छिपाने के लिए शव को आटे के कनस्तर में भर दिया। यह घटना इंसानियत को झकझोर देने वाली है, जिसमें एक मासूम को सिर्फ बदले की भावना का शिकार बनाया गया।करीब 30 घंटे बाद पुलिस ने शव बरामद किया था। इसके बाद से आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। बताया जा रहा है कि सुनील, पीड़ित परिवार के घर में किराएदार था और मकान मालिक से किसी बात को लेकर रंजिश रखता था। इसी रंजिश का बदला उसने मासूम बच्ची से लिया।इस वारदात ने इलाके में दहशत फैला दी थी। पुलिस की सक्रियता और लगातार दबिश के चलते आखिरकार आरोपी का अंत हो गया, लेकिन इस घटना ने कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं—क्या व्यक्तिगत दुश्मनी इतनी खतरनाक हो सकती है कि एक मासूम की जान ले ली जाए?

10 | अपना प्रदेश | स्वराज इंडिया

8 साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या, कनस्तर में मिला शव

30 घंटे बाद घर के सामने ही मिला शव, आटे से भरे कनस्तर में छिपाई गई लाश

सिंगाही क्षेत्र में तेंदुए के हमले से सात वर्षीय बच्ची की मौत

टाइमलाइन

- ➪ 24 मार्चः-आरोपी सुनील ने जूता कारोबारी की 8 वर्षीय बच्ची की गला रेतकर हत्या की, शव को आटे के कनस्तर में छिपाया
- ➪ 25-26 मार्चः- बच्ची की तलाश जारी, परिवार और पुलिस में हड़कंप, करीब 30 घंटे बाद आरोपी के कमरे से शव बरामद
- ➪ 26 मार्चः- आरोपी फरार, पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया
- ➪ 27 मार्च (रात)-पुलिस को आरोपी की लोकेशन की सूचना मिली, गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी शुरू
- ➪ 28 मार्च (तड़के)- आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, दरोगा घायल, जवाबी फायरिंग में आरोपी सुनील ढेर

हवन पूजन के साथ माँ गायत्री मंदिर महोत्सव का समापन

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर के स्टेशन रोड पर स्थित मां गायत्री शक्तिपीठ पर नवरात्र पर्व आयोजित सालाना प्रमुख महोत्सव का शनिवार को हवन पूजन के साथ समापन हुआ।

देवी भक्त स्वच्छ परिधानों में मंदिर पर पहुंच कर माँ गायत्री मइया की विधिवत दर्शन पूजन की।महिलाओं व श्रद्धालुओं ने वहां पर चल रहे पांच कुंडीय यज्ञ कुंड में आहूति देकर परिवार के सुख शान्ति के लिए यज्ञ देवता की आराधना की।

यज्ञ कार्यक्रम यज्ञाचार्य आनंद ने गायत्री मंत्र द्वारा संपन्न कराया। इस अवसर शक्तिपीठ के आचार्य गुलाब ने यज्ञ व गायत्री मंत्र के महत्व को विस्तार से समझाया।

कहा कि गायत्री के 24 अक्षरों में सभी देवों का वास है, इसलिए इसे महामंत्र तथा मंत्रो का मुकुट कहा गया है। उन्होंने कहा कि यज्ञ से जहां वातावरण शुद्ध हो जाता है तो वहीं मानव जीवन निरोगी हो जाता है?अंत में भक्तों में महाप्रसाद का वितरण किया गया।मुख्य रूप से कैलाश, रामलाल, माया देवी, राजेन्द्र प्रसाद साहू, नंदन त्रिपाठी,आशीष मोदनवाल व हेमन्त शर्मा आदि रहे।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि- शाही ईदगाह विवाद

हाईकोर्ट में सुनवाई टली, अब 10 अप्रैल को होगी अगली बहस

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े मामलों की शनिवार को प्रस्तावित सुनवाई टाल दी गई है। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। इस बहुचर्चित और संवेदनशील मामले पर देशभर की नजरें बनी हुई हैं। हाईकोर्ट में पिछले कई महीनों से इस विवाद से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई जारी है। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने और विवादित भूमि पर अधिकार की मांग की गई है। अदालत अब 10 अप्रैल को इन याचिकाओं पर आगे की प्रक्रिया तय कर सकती है। वर्तमान में हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की कुल 18 याचिकाएं लंबित हैं। वहीं, मस्जिद पक्ष ने 22 अगस्त को सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत एक आवेदन दाखिल किया था। इस आवेदन में सभी समेकित मुकदमों की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है, जिस पर भी अदालत को विचार करना है। यह मामला केवल हाईकोर्ट तक सीमित नहीं है बल्कि सुप्रीम कोर्ट में भी इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सुनवाई जारी है। दोनों अदालतों में चल रही कार्यवाही के कारण यह विवाद राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के मथुरा में स्थित यह विवादित स्थल लंबे समय से कानूनी और ऐतिहासिक बहस का केंद्र रहा है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं सदी में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में यहां स्थित प्राचीन केशवदेव मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण कराया गया था। उनका कहना है कि यह स्थल भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। इस विवाद में भूमि स्वामित्व, पूजा के अधिकार और पुरातात्विक जांच जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं, जिन पर अदालत में विस्तृत बहस जारी है। दूसरी ओर, मुस्लिम पक्ष मस्जिद की ऐतिहासिक और कानूनी वैधता का दावा करता है। इस विवाद में मंदिर की जमीन पर स्वामित्व, पूजा का अधिकार और स्थल की पुरातात्विक जांच जैसे मुद्दे शामिल हैं। वर्तमान में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 18 से अधिक याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें दोनों पक्ष अपने-अपने दावे पेश कर रहे हैं।

सिंगसियापुर कांड: पुलिस ने एक पक्ष को बनाया बलि का बकरा!

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नौ नामजद, 25 अज्ञात पर मुकदमा—दूसरे पक्ष पर क्यों खामोशी?, बजरंग दल भड़का, ग्रामीणों में उबाल , निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो होगा आंदोलन

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली के सिंगसियापुर गांव में हुए विवाद ने पुलिस की कार्यशैली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। गांव में सौहार्द बिगाड़ने की पूरी पटकथा लिखी गई, लेकिन पुलिस की कार्रवाई उस असली साजिश तक पहुंचने से पहले ही ठहर गई। नतीजा एक पक्ष पर ताबड़तोड़ कार्रवाई, जबकि दूसरा पक्ष आज भी खुलेआम 'बेगुनाह' बना घूम रहा है।

पुलिस ने 9 लोगों को नामजद करते हुए 25 अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। लेकिन ग्रामीण पूछ रहे हैं कि क्या यही पूरी सच्चाई है? क्या पुलिस को सिर्फ एक ही पक्ष नजर आया?

पहले माहौल गरमाया, फिर फूटा विवाद किसने दी खुली छूट?

ग्रामीणों का आरोप है कि बौद्ध कथा के नाम पर बिना अनुमति तेज आवाज में लाउडस्पीकर लगाए गए। इतना ही नहीं, कथा के दौरान धार्मिक और जातिगत टिप्पणियां कर गांव के माहौल को जानबूझकर भड़काया गया। सबसे बड़े सवाल यह है कि

जब इसकी शिकायत तहसील दिवस में पहले ही कर दी गई थी, तो प्रशासन ने आंखें क्यों मूंद लीं? क्या किसी बड़े खेल के तहत हालात बिगड़ने दिए गए?

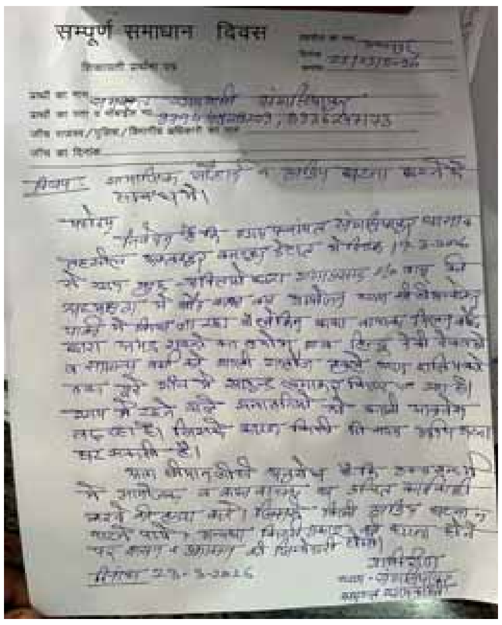
सम्पूर्ण समाधान दिवस

स्वराज इंडिया | कानपुर आसपास | 07

बौद्ध कथा में देवी-देवताओं के अपमान का आरोप, विरोध पर मुकदमा

पुलिस का ताबड़तोड़ एक्शन, 9 नामजद समेत 25 पर केस, गांव में तनाव, निष्पक्ष जांच की मांग

जिम्मेदार अफसरों की जवाबदेही कब तय होगी?

ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते सख्ती होती, तो गांव का माहौल बिगड़ता ही नहीं।

डीएम का भरोसा बनाम जमीनी हकीकत-जिलाधिकारी कपिल सिंह ने निष्पक्ष जांच की बात कही है, लेकिन गांव में लोगों का कहना है कि अभी तक की कार्रवाई में निष्पक्षता कहीं नजर नहीं आ रही. सिंगसियापुर का यह विवाद अब बड़ा सवाल बन चुका है , क्या पुलिस असली साजिशकर्ताओं तक पहुंचेगी?या फिर एक पक्ष को ही दोषी बनाकर फाइल बंद कर दी जाएगी? गांव का माहौल तनावपूर्ण है और लोगों की मांग साफ है कि निष्पक्ष जांच करो, नहीं तो आंदोलन तय है।

प्रतिमा तोड़ने का खेल,सहानुभूति बटोरने की साजिश?

आंबेडकर प्रतिमा तोड़े जाने की घटना को लेकर गांव में चर्चाएं तेज हैं। ग्रामीणों का दावा है कि यह घटना अचानक नहीं, बल्कि माहौल को एकतरफा मोड़ देने की साजिश हो सकती है।

लेकिन हैरानी की बात यह है कि पुलिस ने इस एंगल पर जांच करने के बजाय सीधे एक पक्ष को आरोपी बनाकर मामला 'निपटा' दिया। क्या असली गुनहगारों को बचाने की कोशिश हो रही है?

एकतरफा कार्रवाई से गांव में उबाल, बजरंग दल भी मैदान में

पुलिस की कार्रवाई से गांव में भारी आक्रोश है। बजरंग दल ने खुलकर विरोध जताते हुए साफ कहा है कि अगर निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन होगा।

संगठन का कहना है कि अगर माहौल बिगाड़ने की साजिश हुई है, तो दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज हो, सिर्फ एक पक्ष पर कार्रवाई न्याय नहीं, बल्कि अन्याय है प्रशासन पर सीधे सवाल   है कि अनुमति क्यों, कार्रवाई क्यों नहीं? अब सवाल सिर्फ पुलिस पर नहीं, बल्कि पूरे जिला प्रशासन पर है कि पहले से तनाव के बावजूद आयोजन को अनुमति क्यों दी गई? शिकायतों को ठंडे बस्ते में क्यों डाला गया?

रामनवमी पर निकली भव्य शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा नगर

मंदिर परिसर में भारी संख्या में भक्तों ने सामूहिक आरती उतारी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रामनवमी के पावन अवसर पर रसूलाबाद क्षेत्र के असालतगंज कस्बे में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव को लेकर निकाली गई विशाल शोभायात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे नगर में ÷जय श्रीराम÷ के गगनभेदी जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया।

शोभायात्रा का शुभारंभ कस्बे के मंदिर धाम से विधि-विधान के साथ किया गया। सजे-धजे रथ पर भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और भक्त हनुमान की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। श्रद्धालु भक्ति भाव से रथ को खींचते हुए आगे बढ़े। यात्रा में शामिल घुड़सवारों का दल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह लोगों ने फूल बरसाकर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

घरों की छतों और बाजारों से श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर वातावरण को और अधिक भक्तिमय बना दिया। इस दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

नगर भ्रमण के बाद शोभायात्रा का समापन महावीर मंदिर में हुआ। यहां भजन-कीर्तन, आरती और श्रीरामचरितमानस के पाठ का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर में भारी संख्या में भक्तों ने एकत्र होकर सामूहिक आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

अमित सिंह, अक्षय त्रिपाठी, गोलू अग्निहोत्री, अमित चौरसिया, हर्ष चतुर्वेदी, ब्रजेश पालीवाल, यश अग्निहोत्री, समीर श्रीवास्तव, सौरभ द्विवेदी, हिमांशु सेंगर, संदीप कमल, आलोक कुशवाहा, निखिल चौरसिया, गौरव द्विवेदी, शोभित त्रिवेदी, अनुराग पाल, नितिन चौरसिया, अंकित चौबे, राजकुमार राठौर, अभय तिवारी, हरिओम अवस्थी, दीपक पाल, हर्षित चौरसिया, हिमांशु कुशवाहा, गोरे यादव, विनय गुप्ता, अंकित त्रिवेदी, रंजू मिश्रा, शिवम पाल, वर्षा गुप्ता, शिवम शर्मा, मोहित चक, दुर्गेश कुशवाहा, लालमन यादव आदि उपस्थित रहे।

गजनेर सीएचसी में बनेगी नवजातों की लाइफलाइन

खुशखबरी: एनबीएसयू यूनिट एक माह में होगी शुरू

स्थानीय स्तर पर मिलेगा गंभीर नवजातों को उपचार, 50 से अधिक गांवों को सीधा लाभचिराग बुझने से गांव में छाया मातम

शंकर सिंह, स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। जनपद में नवजात शिशुओं की सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। गजनेर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में न्यू बोर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट (एनबीएसयू) की स्थापना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद यहां छह बेड उपलब्ध करा दिए गए हैं। साथ ही आधुनिक उपकरणों की स्थापना और विशेषज्ञ स्टाफ की तैनाती का कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह यूनिट अगले एक माह के भीतर पूरी तरह संचालित हो जाएगी।

खास खबर

अब तक गजनेर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में यदि कोई नवजात समय से पूर्व जन्म, कम वजन, सांस लेने में

परेशानी या पीलिया जैसी समस्याओं से ग्रस्त होता था, तो उसे जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता था। दूरी और समय की कमी के चलते कई बार नवजातों की जान जोखिम में पड़ जाती थी। एनबीएसयू शुरू होने के बाद इस स्थिति में बड़ा बदलाव आएगा। अब गंभीर नवजातों को स्थानीय स्तर पर ही स्थिर कर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे उनकी जान बचने की संभावना बढ़ जाएगी।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गजनेर पर नगर और ग्रामीण क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों के लोग स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निर्भर हैं। यहां प्रतिमाह औसतन 40 से 60 से अधिक प्रसव होते हैं। ऐसे में एनबीएसयू की स्थापना स्थानीय लोगों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। यह केंद्र पूरे क्षेत्र के लिए लाइफलाइन के रूप में विकसित होगा और दूर-दराज के परिवारों को समय पर इलाज मिल सकेगा।यह यूनिट अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होगी। इसमें रेडिएंट वार्मर के माध्यम से नवजात के शरीर का तापमान संतुलित रखा जाएगा। सक्शन मशीन से शिशु के श्वसन मार्ग को साफ किया जाएगा। फोटोथेरेपी यूनिट के जरिए पीलिया का प्रभावी उपचार संभव होगा। इसके अलावा ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम से सांस संबंधी आपात स्थितियों में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यूनिट के संचालन के लिए प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती भी सुनिश्चित की जा रही है।सीएचसी गजनेर के प्रभारी डॉ. पुनीत पांडेय ने बताया कि नवजात शिशुओं की मृत्यु दर को कम करना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यूनिट के लिए बेड उपलब्ध हो चुके हैं और उपकरणों की व्यवस्था अंतिम चरण में है। एक माह के भीतर एनबीएसयू शुरू होने की पूरी संभावना है, जिससे क्षेत्र के नवजातों को समय पर बेहतर इलाज मिल सकेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार मील का पत्थर साबित होता है। इससे न केवल नवजात मृत्यु दर में कमी आएगी, बल्कि लोगों का स्वास्थ्य सेवाओं पर भरोसा भी मजबूत होगा।

- » एनबीएसयू यूनिट में 6 बेड की व्यवस्था
- » एक माह के भीतर संचालन की संभावना
- » 50 से ज्यादा गांवों के लोगों को सीधा लाभ
- » हर महीने 40-60 से अधिक प्रसव इसी केंद्र पर
- » समय से पहले जन्म, कम वजन और पीलिया के इलाज की सुविधा
- » जिला अस्पताल रेफर की जरूरत में आएगी कमी
- » नवजात मृत्यु दर कम करने में मिलेगी मदद
- » प्रशिक्षित स्टाफ और आधुनिक मशीनों से लैस यूनिट
- » ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा मजबूत आधार

दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र में महिला सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शुक्रवार को मुखबिर की सूचना पर मंगलपुर तिराहे के पास से आरोपी देवेंद्र शरण उर्फ भूरे मिश्रा को गिरफ्तार किया। वह डेरापुर कस्बे के श्याम नगर वार्ड नंबर 3 का निवासी है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 24 मार्च को थाना डेरापुर में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

रसूलाबाद में सियासी सरगर्मी तेज पूर्व विधायक की सक्रियता से बढ़ी चर्चा

स्वास्थ्य व परिवहन मुद्दों को लेकर डिप्टी सीएम से मुलाकात, विकास के जरिए मजबूत दावेदारी के संकेत

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के करीब आते ही रसूलाबाद क्षेत्र की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में पूर्व विधायक निर्मला संखवार ने लखनऊ स्थित आवास पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात को क्षेत्रीय विकास से जुड़ी अहम पहल के रूप में देखा जा रहा है।

मुलाकात के दौरान उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल स्थिति को प्रमुखता से उठाया और ग्रामीण इलाकों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संसाधनों के अभाव में लोगों को इलाज के लिए दूर जाना पड़ता है।

इसके अलावा उन्होंने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह से मिलकर बिरहुन, असालतगंज व रसूलाबाद से माती और कानपुर तक नियमित रोडवेज बस सेवा शुरू कराने की मांग रखी। उनका कहना है कि यातायात की कमी से विद्यार्थियों, मरीजों और व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र का गठन 2012 में हुआ था, जहां

2017 में भाजपा ने निर्मला संखवार को उम्मीदवार बनाकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। वर्तमान में उनकी बढ़ती सक्रियता और जनसंपर्क अभियान को आगामी चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, विकास के मुद्दों पर उनकी पहल और शीर्ष नेताओं से लगातार संपर्क आने वाले चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

पेट्रोल-डीजल को लेकर फैली अफवाह, पंपों पर उमड़ी भीड़

नए भुगतान नियम और अफवाहों से बढ़ी परेशानी, प्रशासन ने कहा कोई कमी नहीं

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में पेट्रोल-डीजल को लेकर अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया। राजपुर क्षेत्र के कुछ पेट्रोल पंपों पर सुबह स्टॉक खत्म होने की अफवाह फैलते ही अन्य पंपों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

जानकारी के अनुसार, पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा लागू किए गए नए भुगतान नियमों के चलते कई पंप संचालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उधार व्यवस्था बंद होने के बाद अब अग्रिम भुगतान की बाध्यता ने छोटे पंप संचालकों की परेशानी बढ़ा दी है, जिससे समय पर आपूर्ति प्रभावित हुई।

वहीं, खाड़ी क्षेत्र में चल रहे तनाव को लेकर फैली चर्चाओं और ईंधन संकट की अफवाहों ने हालात को और बिगाड़ दिया। बड़ी संख्या में लोग एक साथ पेट्रोल पंपों पर पहुंचने लगे, जिससे भीड़ और लंबी लाइनें लग गईं। ईंधन लेने पहुंचे वाहन चालकों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा, जबकि कुछ लोगों को बिना पेट्रोल लिए ही लौटना पड़ा। हालांकि, आपूर्ति विभाग ने जिले में किसी भी तरह की कमी से साफ इनकार किया है। विभाग के एआरओ सतीश कुमार ने बताया कि पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक भीड़ न लगाएं।

अयोध्या के राजघाट में भीषण आग लगी, बाल-बाल बचे श्रद्धालु

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दौरान अचानक भड़की आग, फायर ब्रिगेड ने संभाला मोर्चा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। धार्मिक नगरी अयोध्या के राजघाट क्षेत्र में आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने आयोजन स्थल के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और आयोजकों में हड़कंप मच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। कई श्रद्धालु सुरक्षित स्थान की ओर भागते नजर आए, जबकि आयोजन समिति और स्थानीय लोग मिलकर आग पर काबू पाने की कोशिश में जुट गए।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल कर्मियों ने तेजी दिखाते हुए आग को फैलने से रोकने के लिए लगातार पानी की बौछारें कीं। काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया जा सका।

बताया जा रहा है कि यह महायज्ञ स्वामी जीयर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जा रहा था, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह कर रहे थे। घटना के समय आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे, लेकिन राहत की बात यह रही कि अब तक किसी जनहानि की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेराबंदी में ले लिया है। एहतियातन आसपास के इलाकों में भी निगरानी बढ़ा दी गई है। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या हवन सामग्री से उठी चिंगारी को संभावित वजह माना जा रहा है। फिलहाल प्रशासन द्वारा पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटना के बाद महायज्ञ स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी कर दी गई है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

रामनवमी पर रामाय ट्रस्ट की तरफ से मां पाटेश्वरी मंदिर में भव्य भंडारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनवमी और नवमी के पावन अवसर पर रामाय सेवा ट्रस्ट की ओर से मां पाटेश्वरी मंदिर में एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं समाज सेविका श्रीमती वंदना उपाध्याय के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और प्रसाद ग्रहण किया।भंडारे के दौरान श्रद्धा और भक्ति का विशेष माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

दूर-दूर से आए भक्तों ने मां पाटेश्वरी के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि रामनवमी का पर्व भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता, भाईचारा और सेवा भावना को बढ़ावा देते हैं।

इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ट्रस्ट के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहयोग किया। आयोजन की व्यवस्था सुव्यवस्थित रही और सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। महानगर महामंत्री परमानंद मिश्रा, अयोध्या मंडल अध्यक्ष मुकेश तिवारी, विपिन पांडे, विद्यार्थी परिषद से अमन सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

20 दिन से खड़ी गन्ना ट्रालियों पर किसान हुए आक्रोशित

» ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि के हस्तक्षेप पर मिल प्रबंधन ने दिया 2 दिन का आश्वासन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निघासन (लखीमपुर खीरी)। सरजू सहकारी चीनी मिल बेलरायां में बीते लगभग 20 दिनों से गन्ना लेकर खड़ी किसानों की ट्रालियां खाली न होने से किसानों में भारी आक्रोश है। लंबे इंतजार और आर्थिक नुकसान से परेशान क्षेत्रीय किसानों ने ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह से अपनी समस्या साझा की।

शुक्रवार को अमनदीप सिंह किसानों के साथ बेलरायां स्थित सरजू सहकारी चीनी मिल पहुंचे और मिल प्रशासन से वार्ता की। इस दौरान किसानों की समस्याओं को लेकर अमनदीप सिंह और सीसीओ के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। किसानों का कहना था कि कई दिनों से ट्रालियां लाइन में खड़ी हैं, जिससे उन्हें समय और धन दोनों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं ट्रालियों के लंबे समय तक खड़े रहने से गन्ने की गुणवत्ता प्रभावित होने की भी चिंता जताई गई।

किसानों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए मिल के सीसीओ ने आश्वासन दिया कि दो दिन के भीतर लंबित ट्रालियों को प्राथमिकता के आधार पर खाली कराया जाएगा। आश्वासन के बाद किसानों ने राहत की सांस ली, हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

मुंगरा में प्रभू श्रीराम जन्मोत्सव पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल ने संयुक्त रूप से किया आयोजन

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर नगर में रामनवमी पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की ओर से संयुक्त रूप से भव्य शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई। यह शोभायात्रा नई बाजार बहोरीकपुर स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर से शुरू होकर नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए स्टेशन रोड शिव मंदिर जाकर समाप्त हुई। शोभायात्रा में घोड़े और डीजे शामिल थे। पंडित मनोज त्रिपाठी महाराज ने भगवान श्री राम दरबार की आरती पूजन कर शोभायात्रा को रवाना किया। जो पूरे नगर में भ्रमण किया।रथ पर भगवान राम, मां सीता,भरत,लक्ष्मण, शत्रुघ्न, हनुमान जी की मनोहारी झांकी आकर्षण का केंद्र बनी। श्रीराम दरबार की झांकी पर छतों से पुष्प वर्षा की गई।जगह-जगह श्रद्धालुओं ने झांकी की आरती उतारी और पूजन अर्चन किया। श्रद्धालु रथ के आगे नाचते गाते और संकीर्तन करते हुए चल रहे थे। बीच-बीच में जय श्रीराम के उद्घोष से पूरा कस्बा गूंजता रहा। शुरुआत में पूर्व प्रांतीय मंत्री विहिप दिवंगत कृष्ण गोपाल जायसवाल के चित्र पर विहिप सहित विभिन्न संगठनों के लोगों ने श्रद्धांजलि दी और उनके द्वारा संगठन सहित सामाजिक सेवाओं के लिए उन्हें याद किया। शोभा यात्रा के दौरान उनके सम्मान में उनका कटाउट वाहन पर लगाया गया था। मुख्य रूप से सह प्रांत प्रमुख विशंभर दूबे,नगर अध्यक्ष जगदंबा जायसवाल,जिला सत्संग प्रमुख राजीव कुमार गुप्त राजू,शिव कुमार लल्ला, नगर पालिका अध्यक्ष कपिल मुनि,प्रबंधक आलोक कुमार कुमार गुप्त पिंटू, सह जिला मंत्री सौरभ पाण्डेय,शिवम दुबे,संदीप ऊमर वैश्य,आकाश कुमार गुप्त,संतोष कुमार गुप्त डब्बल व शिवम दुबे आदि रहे।

दुष्प्रचार बनाम जनाधार: अयोध्या में शिवेंद्र सिंह पर हमले, लेकिन जनता दे रही करारा जवाब

समीर शाही स्वराज इंडिया ब्यूरो

सोशल मीडिया की सियासत के सामने ज़मीनी हकीकत भारी

‘छवि बिगाड़ो अभियान’ पर जनसमर्थन की तगड़ी चोट

अयोध्या। भाजपा की नवगठित महानगर टीम में महामंत्री बनाए जाने के बाद शिवेंद्र सिंह को लेकर जिस तरह का दुष्प्रचार खड़ा किया गया, वह अब उल्टा पड़ता दिख रहा है। सियासी गलियारों में रची गई यह रणनीति ज़मीन पर आते-आते बिखर रही है, क्योंकि जिस व्यक्ति को ‘विवादित’ साबित करने की कोशिश हो रही है, वहीं क्षेत्र में अपनी पकड़ और लोकप्रियता से विरोधियों की पटकथा बिगाड़ रहा है।

कोर कमेटी की सहमति और प्रदेश नेतृत्व की संस्तुति से मिला दायित्व यह साफ करता है कि संगठन ने योग्यता को प्राथमिकता दी है, न कि सिफारिश को। छात्र राजनीति से निकले शिवेंद्र सिंह उन चेहरों में रहे हैं जिन्होंने संघर्ष के बीच अपनी पहचान बनाई जहाँ झूठे मुकदमे भी ‘राजनीतिक हथियार’ की तरह इस्तेमाल होते रहे हैं।

सवाल यह नहीं कि आरोप कितने लगाए गए, सवाल यह है कि जनता उन्हें कितना मानती है। और यही वह बिंदु है जहाँ पूरा खेल पलटता नजर आता है। सदस्यता अभियान में रिकॉर्ड, सामाजिक कार्यक्रमों में हजारों की भागीदारी और जनसुनवाई में सक्रिय उपस्थिति ये आंकड़े किसी आईटी सेल की स्क्रिप्ट नहीं, बल्कि ज़मीनी सच्चाई हैं। अयोध्या में यह साफ दिख रहा है यह लड़ाई आरोपों की नहीं, विश्वास की है और फिलहाल जनता का पलड़ा भारी है। सियासत में दुष्प्रचार नई बात नहीं, लेकिन हर दौर में उसका जवाब भी जनता ही देती है। अयोध्या में यह जवाब अब साफ सुनाई दे रहा है।

शिवेंद्र सिंह के प्रमुख समाजसेवी कार्य

- स्व. प्रभात सिंह की स्मृति में वार्षिक सेवा कार्यक्रम, जिसमें लगभग 20,000 लाभार्थियों की भागीदारी
- गरीब और जरूरतमंदों को समय-समय पर खाद्य सामग्री व आर्थिक सहायता
- ब्लॉक मुख्यालय पर नियमित जनसुनवाई, स्थानीय समस्याओं का समाधान
- भाजपा सदस्यता अभियान में व्यापक जनसंपर्क, बड़ी संख्या में नए सदस्य जोड़े
- सरकारी योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए सक्रिय अभियान
- छात्र राजनीति से लेकर वर्तमान तक सामाजिक सरोकारों से निरंतर जुड़ाव

वायरल थप्पड़ कांड: सत्ता के नशे में ‘सुदामा’ पर चला हाथ !

बीजेपी जिला उपाध्यक्ष का कथित थप्पड़, वीडियो ने खोली संगठन की मर्यादा की परतें

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

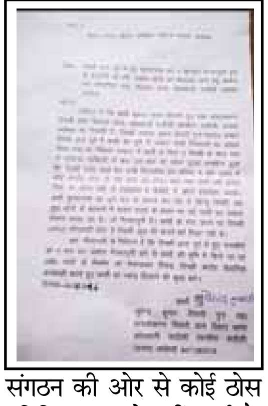

अयोध्या। अयोध्या की सियासत एक बार फिर शर्मसार होती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो ने बीजेपी संगठन की कार्यप्रणाली और नेताओं के आचरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में कथित तौर पर जिला उपाध्यक्ष सुमन पासवान एक पंडित को थप्पड़ मारती दिख रही हैं, और इसके बाद उनका बयान ÷जाओ सुदामा, जो तुम्हें करना हो कर लो÷ पूरे घटनाक्रम को और भी विवादित बना देता है। स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बताया जा रहा है कि सुमन पासवान रुदौली क्षेत्र के बिड़हार गांव की प्रधान भी हैं, यानी सत्ता और संगठन दोनों का प्रभाव उनके पास है। ऐसे में एक आम व्यक्ति के साथ इस तरह का व्यवहार न सिर्फ व्यक्तिगत आक्रामकता, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग की ओर इशारा करता है।वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय कार्यकर्ताओं और आम लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। पार्टी की ÷संस्कार और अनुशासन÷ की छवि पर भी सवाल उठने लगे हैं। हालांकि अब तक संगठन की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, जिससे यह सवाल और गहरा हो गया है कि क्या सत्ता के आगे मर्यादा बेमानी हो चुकी है? जनता सवाल उठा रही है क्या यही है जनसेवा, जहां सवाल पूछने पर जवाब थप्पड़ से दिया जाता है?

इस्कॉन अयोध्या में राम नवमी की भव्य धूम, 3000 श्रद्धालुओं को प्रसादम

विश्व शांति हेतु विशेष प्रार्थना, पंच अभिषेक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राम नवमी के पावन अवसर पर अयोध्या धाम में इस्कॉन द्वारा भव्य आयोजन किया गया, जहां भक्ति और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत विशाल अन्न सेवा से हुई, जिसमें करीब 3000 श्रद्धालुओं को शुद्ध सात्विक प्रसादम वितरित किया गया। स्वयंसेवकों ने पूरी रात जागकर प्रसाद तैयार किया।मुख्य अतिथि महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व विहिप नेता डॉ. अभय सिंह की उपस्थिति में आयोजन को विशेष गरिमा मिली। इस दौरान गीता मनीषी देवशेखर विष्णु दास ने विश्व शांति और युद्ध विराम के लिए विशेष प्रार्थना की। संध्या में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान श्रीराम का पंच अभिषेक हुआ, वहीं सोहर गीत और रामलीला नाटिका ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

डेढ़ कुंतल का शरीर बयान पर घमासान, जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी से माफी की मांग

» वायरल वीडियो से भड़का वैश्य समाज, भरे मंच से टिप्पणी को बताया अपमानजनक

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।÷अशोक कसौधन जी डेढ़ कुंतल का शरीर लेकर मोटरसाइकिल से पार्टी के लिए रात-दिन दौड़ते रहते हैं÷ अयोध्या में भरे मंच से दिया गया यह बयान अब सियासी विवाद का केंद्र बन गया है।

जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी की इस कथित टिप्पणी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद वैश्य समाज में गहरा आक्रोश फैल गया है। वायरल वीडियो की स्वराज इंडिया पुष्टि नहीं करता है।

वैश्य समाज के लोगों का कहना है कि यह बयान न सिर्फ एक समर्पित कार्यकर्ता का अपमान है, बल्कि पूरे समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है।

सोशल मीडिया पर लगातार विरोध दर्ज किया जा रहा है और जिलाध्यक्ष से तत्काल सार्वजनिक माफी की मांग उठ रही है।

विरोध करने वालों का कहना है कि जो कार्यकर्ता दिन-रात संगठन के लिए मेहनत करते हैं, उनके प्रति इस तरह की भाषा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

नवरात्रि के शुभ अवसर पर

कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा

का०वि०प्रा० Kanpur Development Authority

विभिन्न योजनाओं में आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का ई-ऑक्शन

पहले भूखण्ड देखें | फिर बोली लगाएं

571 भूखण्डों (प्लॉट्स) का **ई-ऑक्शन**

ई-ऑक्शन हेतु पंजीकरण अवधि
23.03.2026 पूर्वान्ह 11 बजे से
21.04.2026 अपरान्ह 5 बजे तक

ई-ऑक्शन में बोली लगाने की अवधि
24.03.2026 पूर्वान्ह 11 बजे से
22.04.2026 अपरान्ह 5 बजे तक

ई-ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापित आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का विवरण

क्रम सं.	योजना का नाम	क्षेत्रफल (वर्गमी.)	भू-उपयोग	भूखण्डों की संख्या	न्यूनतम आरक्षित दर प्रति वर्ग मी. (रू. में)
01	महावीर नगर विस्तार योजना	517-798	नर्सरी स्कूल	05	40000
02	महावीर नगर विस्तार योजना	1832.90	नर्सिंग होम	1	60000
03	शताब्दी नगर योजना	977	पेट्रोल पम्प	1	78000
04	मन्दाकिनी इन्क्लेव	582	नर्सिंग होम	1	60000
05	महावीर नगर विस्तार	86-1091	व्यवसायिक	66	90000
06	शताब्दी नगर	112.50-200	व्यवसायिक	33	90000
07	स्टेडियम (दुकान/कॉम्प्लेक्स)	12.58-2713.22	व्यवसायिक	49	56700-139300
08	पनकी भौसिंह(रेस्ट एण्ड रिफ्रेश)	1426.88	व्यवसायिक	01	96000
09	पनकी	561	नर्सिंग होम	01	51950
10	पनकी	260.30-271.00	व्यवसायिक	02	67500-74200
11	कैटिल कालोनी	144-925	व्यवसायिक/ दुग्ध व्यवसाय	06	15000-60000
12	न्यू ट्रान्सपोर्ट नगर	90.00-2031.92	व्यवसायिक	232	38000
13	जवाहरपुरम	200	आवासीय	03	36900
14	शताब्दी नगर	112.50-200	आवासीय	08	40000
15	भागीरथी एवं जाहन्वी	112.50-5596.28	व्यवसायिक	97	50500-80850
16	स्वर्ण जयन्ती विहार	24.68	दुकान	02	56000
17	किदवई नगर वाई-1	167.29	व्यवसायिक	11	90000
18	सुजातगंज	167.22-297.66	आवासीय	10	46000-50600
19	स्वर्ण जयन्ती विहार	112.50-180	आवासीय	01	38000
20	जवाहरपुरम् सेक्टर-1ए	1012.50	व्यवसायिक	10	78000-102000
21	बर्रा-२	200	व्यवसायिक	03	65000-75000
22	तात्याटोपे नगर	196.27-1353	व्यवसायिक	22	71000
23	यू०पी०यू०डी०पी०(कारगिल पेट्रोल पम्प)	1960-2093	ग्रुप हाउसिंग	02	51000
24	यू०पी०यू०डी०पी०(कारगिल पेट्रोल पम्प)	2799-4662	मिक्स यूज	02	75000
25	यू०पी०यू०डी०पी०(कारगिल पेट्रोल पम्प)	9159	शॉपिंग मॉल/मिक्स यूज	01	75000
26	यू०पी०यू०डी०पी०(कारगिल पेट्रोल पम्प)	2326	होटल	01	65000

*ई-ऑक्शन के लिए अधिकृत **इण्डियन बैंक**

विस्तृत विवरण तथा नियम व शर्तें प्राधिकरण की वेबसाइट www.kdaindia.co.in के ई-ऑक्शन पोर्टल पर उपलब्ध है।
भूखण्डों के नम्बर एवं वास्तविक क्षेत्रफल/दर के सम्बन्ध में वेबसाइट पर देखकर ही पंजीकरण/बोली लगायें।

अभय कुमार पाण्डेय
सचिव

मदन सिंह गर्ब्याल
उपाध्यक्ष

www.kdaindia.co.in | kda.co.in | @kdakanpur | kdakanpur | kdakanpur

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 ❍ Email: swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ Website: www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें https://epaper.swarajindianews.com